BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
Monday
27-11-2023
www.bordernewsmirror.com

प्रियंका ने मुंबई की दो प्रॉपर्टी बेचीं

बॉलीवुड से इंटरनेशनल स्टार बनी प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई में अपने दो पेंटहाउस बेच दिए हैं।

मशहूर अभिनेता अली मर्चेंट ने की तीसरी शादी '

सात फेरे- सलोनी का सफर' और 'घर एक सपना' जैसे टीवी शोज से मशहूर हुए अभिनेता अली मर्चेंट ने तीसरी बार गुपचुप निकाह कर लिया है।

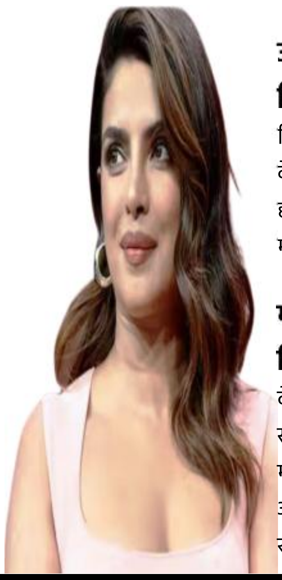

ऊप्स मोमेंट का शिकार हुईं जिया शंकर

फिल्म फेस्टिवल इवेंट में शामिल होने के दौरान जिया ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मथुरा-वृंदावन में बजने लगी विकास की बांसुरी

देश में केंद्र और राज्यों की भाजपा सरकारें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूलमंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' को चरितार्थ कर रही हैं।

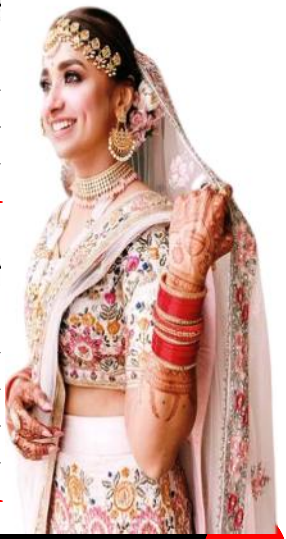

BRIEFLY

भीम संसद में मोदी सरकार पर बरसे सीएम नीतीश... विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए चलाएंगे अभियान

पटना. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर दोहराया है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर वे आंदोलन करेंगे. उन्होंने रविवार को भीम संसद में जुटी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा बिहार में हुई जातीय सर्वे रिपोर्ट से राज्य की सभी जातियों की संख्या पता चली है. इसी आधार पर राज्य के एससी को 20 फीसदी, एसटी को 2 फीसदी और ओबीसी को 43 फीसदी आरक्षण बढ़ाया गया है. साथ ही बिहार के वैसे परिवार जो गरीब हैं उन सभी को 2 लाख रुपए प्रति परिवार दिया जाएगा. इसके लिए 2.5 लाख करोड़ रुपए का खर्च आएगा. यह पांच साल में बिहार सरकार पूरा करेगी. लेकिन इसे और जल्दी पूरा करने के लिए बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि हम बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर अभियान चलाएंगे. इसके लिए उन्होंने बिहार के दलित समाज के लोगों से समर्थन की अपील की. लोगों से हाथ उठाकर समर्थन मांगा जिस पर सभी ने अपना हाथ उठाकर सर्मथन किया. उन्होंने अपनी सरकार में दलित वर्गों के लिए हुए काम गिनाए. साथ ही भीम संसद में जुटी भारी भीड़ को लेकर मंत्री अशोक चौधरी की जमकर तारीफ की. इसके पहले जदयू अध्यक्ष ललन सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाया.

Trending News

केसीआर कर्नाटक आएं और देखें कांग्रेस ने कितना काम किया : सिद्धारमैया

बीएनएम@हैदराबाद

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव प्रचार के अब कुछ दिन ही बचे हैं। नतीजतन, कांग्रेस के शीर्ष नेता राज्य में पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में जमकर प्रचार कर रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहले से ही राज्य में जमे हुए हैं और चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में कर्नाटक के मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धारमैया रविवार को तेलंगाना आए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने हैदराबाद के ताज कृष्णा होटल में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने मीडिया के माध्यम से सुना है कि उन पर आरोप है कि कर्नाटक में चुनावी वादों पर अमल नहीं हो पाया है। सिद्धारमैया ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव और उनके बेटे के रामा राव को खुला निमंत्रण दे रहे हैं, ताकि वे स्वयं वहां जाकर निरीक्षण करें। सिद्धारमैया ने कहा कि हमने अपनी पहली कैबिनेट में 5 गारंटियों पर हस्ताक्षर किए हैं। कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि 5 गारंटी में सबसे पहले शक्ति योजना योजना शुरु की गई है। हर दिन 61 से 62 लाख महिलाएं मुफ्त यात्रा करती हैं। उन्होंने कहा कि चुनौती दे रहे हैं कि आप चाहें तो सत्य का पता कर सकते हैं।

भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति कर रहा है : प्रधानमंत्री

बीएनएम@नई दिल्ली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के लिए आध्यात्मिक संस्था से सहयोग मांगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि समृद्धि पैसे और भौतिक चीजों से नहीं आती, यह सांस्कृतिक मूल्यों की मजबूती से भी आती है। आज भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति कर रहा है। यह एक नये युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को गुलाम बनाने वालों ने हमारी असली ताकत ज्ञान, ध्यान, योग, आयुर्वेद जैसी कई महत्वपूर्ण परंपराओं पर हमला बोला था। इसका देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब समय बदल रहा है और भारत भी बदल रहा है। ये भारत की आजादी का अमृतकाल है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी इस विरासत को एक अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाएं। इसमें श्री रामचंद्र मिशन और उससे जुड़े साधकों की, आप सबकी बहुत बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल के इस दशक में हमारा ध्यान महिला, युवा, श्रम और उद्यम क्षेत्र पर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानवता के लिए कमलेश डी. पटेल ने जो काम किया वह अद्भुत है। हमारी सरकार को उनके योगदान को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने का सौभाग्य मिला।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में देशवासियों को संविधान दिवस की बधाई दी

बीएनएम@नई दिल्ली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 107वें संस्करण में देशवासियों को संविधान दिवस की बधाई दी। साथ ही कहा आज ही के दिन मुंबई में आतंकी हमला हुआ था। इस दिन को कभी नहीं भुलाया जा सकता। आतंकवादियों ने पूरे देश को थर्रा दिया था। देश इससे उबरा है। आज भारत आतंकवाद को पूरे सामर्थ्य के साथ कुचल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुबंई हमले में जीवन गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा वीरगति को प्राप्त जवानों को देश आज याद कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 26 नवंबर महत्वपूर्ण है। वर्ष 1949 में आज के ही दिन संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार किया था। यह दिन हमारे लिए विशेष महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2015 में जब हम बाबा साहेब की 125वीं जयंती मना रहे थे, उसी समय यह विचार आया था कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाए और तब से हर वर्ष हम इस दिवस को संविधान दिवस के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने देशवासियों को संविधान दिवस की बधाई दी।

तेलंगाना में बीआरएस शासनकाल में 8 हजार किसानों ने की आत्महत्या: राहुल गांधी

बीएनएम@अंडोल

अंडोल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को तेलंगाना के अंडोल विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की 'विजयभेरी सभा' में राज्य की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्षों में बीआरएस शासनकाल में तेलंगाना में आठ हजार किसानों ने आत्महत्याएं कीं। राहुल ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि जमीन, रेत, खदानें, शराब सब राव परिवार के हाथों में हैं। परीक्षा के पेपर लीक होने से कई युवाओं को नुकसान हुआ है। कालेश्वरम परियोजना में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार हुआ था। क्या केसीआर हमें बताएंगे कि उनकी सरकार ने अब तक क्या किया है? राहुल ने आश्वासन दिया कि उनके पार्टी की सरकार बनते ही छह गारंटी लागू करेंगे और जनता का शासन दिखाएंगे। पहली कैबिनेट बैठक में छह गारंटियों पर हस्ताक्षर होंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की भाजपा-नीत सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके खिलाफ 24 मुकदमे दर्ज कराए हैं। उनकी संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई थी और यहां तक कि सरकारी आवास से भी बाहर भेज दिया गया था।

BORDER NEWS MIRROR

PATNA

Monday
27-11-2023

शिक्षा विभाग एक्शन में आने से BPSC पास 30000 शिक्षक नहीं बनना चाहते मास्टर!

बीएनएम@पटना

पटना। हाल में बीपीएससी के तहत 1 लाख 10 हजार अभ्यर्थी शिक्षक की परीक्षा पास किए हैं और नियुक्ति पत्र भी हासिल कर चुके हैं। विभाग और सरकार खुश थी कि उसने एक साथ इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों की बहाली को लेकर नियुक्ति पत्र थमाया है। हालांकि विभाग का अब टेंशन बढ़ने वाला है। यह सोचकर कि आखिर हजारों शिक्षक अब तक योगदान क्यों कर रहे हैं। यह जानकर विभाग एक तरह से हैरान है कि अब तक 30 हजार शिक्षक योगदान क्यों नहीं किए हैं। वैसे फिलहाल विभाग यह जानने की कोशिश कर रही है कि शिक्षकों के योगदान की स्थिति क्या है। जिलों से प्राप्त रिपोर्ट से पता चला है कि 25 नवंबर तक 80 हजार शिक्षक ही योगदान कर सके हैं। विभाग ने बीपीएससी से पास शिक्षकों को 21 नवंबर 2023 तक हर हाल में स्कूलों में योगदान देकर अगले दिन से क्लास लेना प्रारंभ करने का निर्देश दिया था। जब देखा गया कि दीपावली और छठ पर्व के चलते योगदान की गति काफी धीमी है, तो विभाग ने 21 की तिथि बढ़ाकर 25 नवंबर कर दी। यानी इस तिथि तक योगदान करने की हिदायत दी गई। 25 तक योगदान की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को मिली है। रिपोर्ट का हाल देख विभाग अंदर ही अंदर टेंशन में है। दरअसल, मात्र 80 हजार शिक्षकों के ही योगदान की रिपोर्ट मिली है। शेष 30 हजार शिक्षक योगदान क्यों नही कर सके है या योगदान से क्यों हिचक रहे हैं, इससे विभाग और डीईओ अनजान हैं। अभी यह क्लियर नहीं हो सका है कि 30 हजार शिक्षक योगदान करने से अबतक पीछे क्यों हैं।

30 हजार शिक्षकों का इंतजार

प्रदेश के स्कूलों में 30 हजार शिक्षकों के योगदान करने का इंतजार अब भी है। वहीं, विभाग इन शिक्षकों के योगदान की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। विश्वस्त सूत्रों से खबर मिली है कि बहुत सारी शिक्षिका सेटिंग गेटिंग कर शहर या उसके आसपास के स्कूलों में थी। बीपीएससी से पास होने के बाद इनकी बहाली सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में हो गई है। बहुत सारे को गांव/घर से 30 से 40 किमी दूर के स्कूलों में भेज दिया गया है। वहां इन्हें जाने में कठिनाई होगी। वह भी कोई एक-दो रोज नहीं, बल्कि वर्षों तक झेलना होगा। इस वजह से ऐसे शिक्षक और शिक्षिका योगदान से हिचक रहे हैं।

NEWS IN BRIEF

पॉस्को से संबधित मामले के निष्पादन हेतु अधिवक्ता की प्रतिनियुक्ति

अररिया। अररिया जिले में पॉस्को से संबंधित मामलों को लेकर अररिया सिविल कोर्ट के लिए अधिवक्ता कुमारी वीणा एवं फारबिसगंज व्यवहार न्यायालय के लिए अधिवक्ता राहुल रंजन को बाल संरक्षण क़ानूनी सलाहकार प्रतिनियुक्त किया गया है। अररिया में बाल अधिकार तथा बाल संरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मई 2023 से बाल यौन शोषण मुक्त, बाल विवाह मुक्त, बाल श्रम मुक्त, एवं मानव तस्करी मुक्त बनाने हेतु जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है।जिसमे क्रियाशील एनजीओ को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अररिया, जिला प्रशासन, जिला पुलिस प्रशासन,रेल प्रशासन,एसएसबी 56 एवं 52 वीं बटालियन का सहयोग सकारात्मक रुप से मिल रहा है।बाल शोषण मुक्त करने की जिम्मेवारी कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन नई दिल्ली की और से जागरण कल्याण भारती को सौंपी गई है। मामले में जागरण कल्याण भारती के अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा ने बताया कि जिले में पॉस्को से जुड़े कई मामले लम्बित है।पीड़ितों को त्वरित न्याय एवं सहयोग दिलवाने के उद्देश से अधिवक्ता की नियुक्ति की गई है।

राजद ने किया ग्राम चौपाल का आयोजन

अररिया। फारबिसगंज राजद कार्यालय में पार्टी की ओर से रविवार को संविधान दिवस के मौके पर ग्राम चौपाल लगाया गया। युवा राजद प्रखंड अध्यक्ष रेहान नाजिम की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम चौपाल का संचालन अमित पूर्वे ने किया। भारत में जातीय गणना की मांग,देश में व्याप्त कमरतोड़ महंगाई,गरीबी, भुखमरी से त्रस्त जनता तथा नई शिक्षा नीति के विरोध को लेकर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने संविधान दिवस पर किया सेमिनार

बीएनएम@किशनगंज

किशनगंज। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में संविधान दिवस के अवसर पर मंडल कारा किशनगंज में मौलिक अधिकार, मूल कर्तव्य, शिक्षा का अधिकार एवं संविधान के बारे में जानकारी प्रदान करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया। उक्त सेमिनार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज के सचिव ओम शंकर, पैनल अधिवक्ता मधुकर प्रसाद गुप्ता तथा पैनल अधिवक्ता मोनिका प्रसाद उपस्थित थे। सेमिनार का प्रारंभ संविधान की प्रस्तावना को पढ़कर हुई। सेमिनार में संविधान पर विस्तृत चर्चा परिचर्चा हुई साथ ही बंदियों को शिक्षा का महत्व समझाया गया तथा संविधान में नागरिकों को प्रदान किए गए मौलिक आधिकार एवं मूल कर्तव्य के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के समाप्ति के पश्चात सभी बंदियों को नशामुक्ति हेतु नशीली पदार्थों का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई।

भीम संसद में प्रलोभन देकर भीड़ जुटाने का सुशील मोदी ने लगाया आरोप

बीएनएम@पटना

पटना। राज्य सभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने आरोप लगाया कि जदयू के भीम संसद में सरकारी मशीनरी का भारी दुरुपयोग कर भीड़ जुटाने का प्रयास किया गया। दलित बस्तियों में काम करने वाले 'विकास मित्र', 'टोला सेवक', 'तालिमी मरकज' के हजारों कर्मियों को प्रलोभन देकर भीड़ जुटाई गई कि उन्हें राज्य कर्मी का दर्जा और वेतन वृद्धि दी जाएगी। सांसद ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि देश के सबसे बड़े दलित नेता स्वर्गीय रामविलास पासवान को राज्यसभा में जाने का विरोध करने और उनकी जाति पासवान को महादलित से अलग करने, मुसहर के नेता जीतन राम मांझी को अपमानित कर मुख्यमंत्री से हटाने और फिर विधानसभा में तुम-ताम और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने वाले नीतीश कुमार को बिहार का दलित कभी माफ नहीं करेगा। शराबबंदी के कारण बिहार का पासी समाज भुखमरी की स्थिति में है। मुसहर समाज के सबसे ज्यादा लोग जेलों में बंद हैं। 75 साल तक कांग्रेस, राजद, जदयू की सरकार के बावजूद यदि 43 फीसदी दलित परिवार की आमदनी 6000 से कम है, 90 फीसदी लोग 10वीं से कम शिक्षित हैं, 75 फीसदी परिवारों को पक्का मकान नहीं है तो इसके लिए नीतीश, लालू, सोनिया जिम्मेवार हैं। सरकारी तंत्र के भरोसे भीड़ जुट सकती है लेकिन वोट नहीं मिल सकता।

संत गुरुनानक जयंती के अवसर पर संत समागम सत्संग आयोजित

बीएनएम@सहरसा

सहरसा। शहर के पटेल मैदान मे संत गुरुनानक साहब के जयंती के अवसर पर संत समागम सत्संग का आयोजन रविवार को हुआ।प्रचार प्रसार प्रमुख चन्दन वर्मा ने बताया सत्संग मे सभी आश्रम के व्यवस्थापक बाबा तथा अन्य साधु संत पधारे थे। स्वामी देवव्रत बाबा की अध्यक्षता मे आगामी संत समागम महोत्सव का भव्य आयोजन 18 फरवरी को करने का निर्णय लिया गया। सत्संग व बैठक मे महिषी विधायक गुंजेश्वर साह, स्वामी अनुभवानंद बाबा,स्वामी शंकर बाबा, स्वामी ज्ञानानंद बाबा, स्वामी महेशानंद बाबा, अखिलेश बाबा,विनोद बाबा व अन्य साधु संत व श्रद्धालु मौजूद थे। आगामी आयोजन बैठक महर्षि मेँहीं हृदय धाम चन्दौर सौरबजार आश्रम मे 7 जनवरी 2024 को होना तय हुआ है। गुरु नानक जयंती के पूर्व संध्या मे पटेल मैदान स्थित बगल के सात पोखर पर दिया जलाकर गुरुवाणी के साथ संत समागम प्रकाश पर्व मनाया गया।

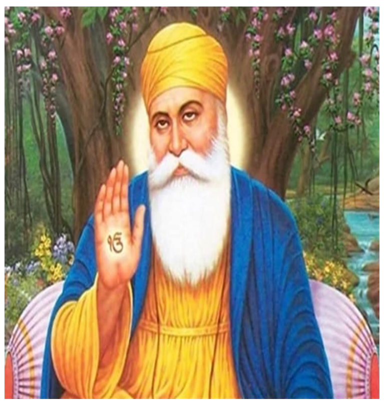

सांसद ने नागरिकों के साथ सुनी मन की बात

बीएनएम@अररिया

अररिया। अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने रविवार को बसंतपुर के बूथ संख्या 148 और 149 पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 107वें संस्करण को स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं के साथ सुना। मौके पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस प्रेरणादायी कार्यक्रम को न केवल लोग सुनने का काम करते हैं।बल्कि उसे आत्मसात भी करते हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम की शुरुआत 26/11 हमले में शहीद हुए सभी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की,जो वीर जवानों के शहादत के प्रति बलिदान को स्मरण कर श्रद्धा देने का द्योतक है।पीएम ने डिजिटल पेमेंट,वोकल फॉर लोकल, स्वच्छता अभियान जैसे विषयों पर चर्चा के माध्यम से बनते,बदलते एवं बढ़ते भारत का अद्भुत रेखाचित्र प्रस्तुत किया,जिसके लिए प्रधानमंत्री के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया। एमपी प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि पीएम मोदी ने बताया लोकल पर्व हों या प्रोडक्ट,किस तरह ग्लोबल बनाया जा सकता है। झारखण्ड, ओडिशा और बंगाल के जन-जातीय इलाकों के 'छऊ' नृत्य को लेकर 15 से 17 नवम्बर तक एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ श्रीनगर में 'छऊ' पर्व का आयोजन किया गया।भारतीय संस्कृति की सुंदरता को सऊदी अरब में भी महसूस किया गया। सऊदी अरब में 'संस्कृत उत्सव' नाम का एक आयोजन हुआ,जो अपने आप में अनूठा कार्यक्रम था। स्वच्छ भारत अभियान ने साफ-सफाई और सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर लोगों की सोच बदल दी है और ये पहल आज राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बन चुकी है। जिसने करोड़ों देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाया है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का डंका विश्व में बज रहा है। दुनिया के विकसित राष्ट्र भारत में हो रहे विकास कार्यों के मुरीद हो रहे हैं।प्रधानमंत्री सबका साथ सबका विकास के साथ सबका विश्वास जीत रहे हैं।

BORDER NEWS MIRROR

MOTIHARI

Monday
27-11-2023

जिलाधिकारी ने विशेष अभियान दिवस का किया निरीक्षण

बीएनएम@बेतिया

बेतिया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा रविवार 26 नंवबर को जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर आयोजित विशेष अभियान दिवस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मैनाटांड़ प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, रामपुरवा अवस्थित बूथ संख्या 84 एवं 85, राजकीय मध्य विद्यालय, रमपुरवा अवस्थित बूथ संख्या 86 एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बरवा परसौनी अवस्थित बूथ संख्या 50, 51 पर पहुँच कर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने आदि कार्रवाई का जायजा लिया गया। नाम जुड़वाने आदि कार्य के लिए मतदान केंद्र पर आए व्यक्तियों से जिलाधिकारी ने फीडबैक लिया और अन्य वैसे लोगों को जागरुक एवं प्रेरित करने को कहा जो अबतक अपना नाम वोटर लिस्ट में नहीं जुड़वा पाए हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके शत-प्रतिशत व्यक्तियों को मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराना चाहिए। जिलाधिकारी ने संबंधित बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इसके साथ ही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मैनाटांड़ प्रखंड अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा भी जिलाधिकारी द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्वाचन विभाग के दिशा-निर्देश के अनुरुप समयबद्ध तरीके से तत्परतापूर्वक कार्यों को निष्पादित किया जाय। निर्वाचन कार्यों में लापरवाही, शिथिलता एवं कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत किये जा रहे कार्यों को और तीव्रता के साथ करने की आवश्यकता है। अगर कोई बीएलओ इस कार्य में लापरवाही, शिथिलता बरत रहे हैं तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाय। उन्होंने निर्देश दिया महिलाओं, 18-19 वर्ष के व्यक्तियों (नए वोटरों) का नाम किसी भी सूरत में नहीं छूटना चाहिए। छुटे हुए महिलाओं का नाम जोड़ने से जेंडर रेसियों में सुधार होगा। जेंडर रेसियो पर विशेष ध्यान दी जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि कॉलेजों में अभियान चलाया जाय और नए वोटरों को निर्वाचक सूची में शामिल किया जाय।

NEWS IN BRIEF

कंसटिच्युशनल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को संविधान दिवस के अवसर पर कंसटिच्युशनल क्विज का सफल आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरूण कुमार ने देशप्रेम से ओत-प्रोत प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सफलता के पांच सूत्रों आत्म पहचान, लक्ष्य निर्धारण, प्रश्नाकुलता, दृढ़ संकल्प एवं लक्ष्यप्राप्ति तक सतत् कठिन परिश्रम को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस संविधान दिवस पर हमलोगों को मौलिक कर्तव्यों व देश के कानूनों के अनुपालन का प्रण लेना चाहिए। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो.अरविंद कुमार ने संयुक्त रूप से लिखित एवं ओरल कंसटिच्युशनल क्विज का आयोजन कर विद्यार्थियों में संविधान के प्रति चेतना उत्पन्न किया। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन ने कहा कि यह संविधान ही है जो हमें एक आजाद देश के आजाद नागरिक की भावना का एहसास कराता है। एक ओर जहां संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमारा हक दिलाता है।

वहीं दूसरी ओर मौलिक कर्तव्य हमें हमारी ज़िम्मेदारियों की याद दिलाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो.अरविंद कुमार ने संविधान दिवस को रेखांकित करते हुए कहा कि साल 2015 में पहली बार भारत सरकार ने संविधान दिवस मनाने का फैसला किया था। भारतीय संविधान के शिल्पकार भारतरत्न डॉ.भीमराव अंबेदकर की 125वीं जयंती के कारण 2015 विशेष वर्ष था।

महज पांच हजार के लिए कर दिया हत्या

बीएनएम@रामगढ़वा

रामगढ़वा। 5000 रुपए के लेनदेन के विवाद में रामगढ़वा के नंदलाली के मुनचुन सहनी को पिट पिट कर सिसवनिया में हत्या कर दी गई |यह घटना थाना क्षेत्र के रामगढ़वा के सिसवनिया गांव में रविवार कि सुबह की है | जिसमें रामगढ़वा पुलिस ने चंद्रदेव सहनी के पत्नी बबिता देवी व पुत्र संजय संजय सहनी को गिरफ्तार कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतीहारी भेज दिया | जानकारी के मुताबिक सिसवनीया के चंद्रदेव सहनी राज मिस्त्री साथ साथ सेंट्रिंग का कार्य करते हैं |इनके द्वारा नंदलाली के मुनचुन सहनी के मकान को बना कर सेंटरिंग किया था |जिस सेंट्रिंग का 5 हजार मुनचुन सहनी के यहां बकाया था |रविवार को मुनचुन सहनी अपने घर नंदलाली से रामगढ़वा जाने के क्रम में सिसवनीया गांव में रोक कर लकड़ी से पिट पिट कर हत्या कर दी गई |

संविधान दिवस के अवसर पर राजद नेताओं ने ग्रामीण चौपाल का किया आयोजन

बीएनएम@रामगढ़वा

रामगढ़वा। संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेश राजद के आवाहन पर ग्रामीण चौपाल का आयोजन राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन में केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण गरीब मजदूर और वंचितों की समस्या पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। प्रखंड कार्यालय में युवा राजद अध्यक्ष मुकेश यादव की अध्यक्षता में इस चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में राजद नेता व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन रमेश शुक्ला ने किया इस चौपाल को संबोधित करते हुए युवा राजद अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि इस चौपाल के माध्यम से राजद पूरे राज्य की जनता को उनका संवैधानिक हक की जानकारी देने का काम कर रही है।आज पूरे देश में बेरोजगारी महंगाई के साथ ही लोकतांत्रिक समस्याओं का हनन हो रहा है।केंद्र की मोदी सरकार मौन है इस सरकार को केवल अपने चुनिंदा कॉर्पोरेट घरानों से ही वास्ता है। इसी प्रकार इस चौपाल को संबोधित करते हुए प्रदेश युवा रजद के अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने कहा कि राजद सर्वधर्म और सर्वप्रती परी राजनीति में विश्वास करता है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के अथक प्रयास से मुख्यमंत्री नितेश कुमार के द्वारा जातीय गणना कराकर यह आकलन किया गया कि इस जाति से लोगों की संख्या कितनी है।

822 कार्टून में 72 सौ लीटर शराब बरामद

बीएनएम@बगहा

बगहा।मामला बगहा पुलिस जिले के चौतरवा थाना क्षेत्र की है। जहां उत्पाद विभाग बिहार पटना के द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना के आलोक में चौतरवा थाना की पुलिस ने छापेमारी कर एक ट्रक से करीब 822 कार्टून विदेशी शराब को बरामद किया है। जिसकी कुल मात्रा तकरीबन 72 सौ लीटर बताई जा रही है। साथ ही ट्रक चालक व उप चालक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वही भारी मात्रा में बरामद शराब की बड़ी खेप की सूचना पर चौतरवा थाना में पहुंचे एसडीपीओ कुमार देवेंद्र।इस संदर्भ में चौतरवा थानाध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि उत्पाद विभाग पटना द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्यवाई करते हुए रविवार की सुबह 4 बजे के करीब गस्ती दल के पुलिस बलों के साथ एस आई दिलीप तिवारी के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के हमीरा एनएच 727 मुख्य मार्ग पर विदेशी शराब की बड़ी खेप के साथ एक ट्रक को जप्त किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जप्त की गई ट्रक चंडीगढ़ पंजाब से शराब की बड़ी खेप लेकर मूंगफली के छिलके की बोरियों के नीचे छुपाकर 822 कार्टून विदेशी शराब की बड़ी खेप लाई जा रही थी।

शिक्षक ने डायट परिसर को जलने से बचाया

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। छतौनी स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में किसी असामाजिक तत्त्व ने डायट के पुराने भवन के समीप स्थित एक विशाल सूखे पेड़ में रात को आग लगा दी थी। सुबह जब डायट के प्राचार्य शरद जैन की नजर उस पेड़ पर पड़ी तो उन्होंने आग बुझाने के लिए मदनाकर कुमार (शिक्षक) से आग्रह किया। आग की विभीषिका को देखते हुए मदनाकर कुमार ने फौरन आग पर काबू पाने के लिए डायट कैम्पस स्थित मोटर को चालू किया और पानी का पाईप लेकर पेड़ के पास पहुंच गए। आग चूंकि पेड़ के जड़ में नहीं लग कर बीच पेड़ में लगा था इसलिए उसे बुझाने में काफ़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस आग को बुझाने में डायट के व्याख्याता उमाशंकर प्रसाद की भी प्रमुख भूमिका रहीं। आस-पास सीढ़ी भी नहीं था कि आग को बुझाया जा सकें। अपनी सुझबूझ से श्री कुमार ने फौरन एक ऑटो को बुलाया और बिना किसी देरी के अपने जान की परवाह किये बिना ऑटो की छत पर चढ़ गए। छत पर चढ़ने के बाद भी पाईप वहाँ तक नहीं पहुँच पा रहा था। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। अगर समय रहते आग पर काबू नहीं किया जाता तो पुराने भवन में आग फैल सकता था। इतना ही नहीं पेड़ के पास में ही प्राचार्य व डायट के व्याख्याता का आवास भी हैं जिसके सामने कार आदि गाड़िया भी लगी थी को भी नुकसान हो सकता था। उसी परिसर में नवनियुक्त बीपीएससी पास शिक्षकों का प्रशिक्षण भी चल रहा हैं जिनके लिए परेशानी का सबब हो सकता था लेकिन श्री कुमार के सुझबूझ से बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सनद रहें कि श्री कुमार ने 2022 में सुभाष नगर मुहल्लेवासियों को भी बिजली के पोल पर तार में लगे आग को अपनी जान जोखिम में डालकर बुझाया था जिसके लिए जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ0 कुमार आशीष ने उन्हें पुलिस सप्ताह के दौरान सम्मानित भी किया। वर्ष 2023 के जनवरी महीने में भी जातीय जनगणना के दौरान एक महिला को भी आग से जलने से बचाया था। आग तापने के दौरान उक्त महिला अपने पोते को बचाने में आग का शिकार हो गयीं थी।

BORDER NEWS MIRROR

Monday 27 November 2023

Editorial

नानक नाम जहाज

प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष 27 नवंबर को यह पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाने की तैयारी है। सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक जयंती को प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। इस बार गुरु नानक का 554वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। पाखण्डों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक देव की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना और बाह्य आडम्बरों से दूर रखना था। गुरु नानक जयंती के अवसर पर उनके जीवन, आदर्शों तथा उनकी दी हुई शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। इस दिन धर्म गुरु और समाज के सम्मानीय लोग गुरु नानक की शिक्षाओं और संदेशों को दोहराते हैं ताकि लोगों के बीच उनके पवित्र विचारों को फिर से ताजा किया जा सके। सितंबर 2019 में प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नेपाल ने सौ, एक हजार तथा ढाई हजार रुपये के तीन स्मारक सिक्कों का सेट जारी किया था। पाकिस्तान सरकार भी 50 रुपये का एक सिक्का जारी कर चुकी है। कोलकाता टकसाल द्वारा 550वें प्रकाशोत्सव पर 12 नवम्बर 2019 को 44 मिलीमीटर गोलाई वाला 35 ग्राम वजनी 550 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया था। सिक्के के एक ओर गुरुद्वारा श्री बेर साहिब का चित्र उकेरा गया और उसी ओर सिक्के पर देवनागरी व अंग्रेजी में श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व लिखा गया। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ था किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरु करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरुरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंड के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बर से दूर रखना ही था।

मथुरा-वृंदावन में बजने लगी विकास की बांसुरी

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

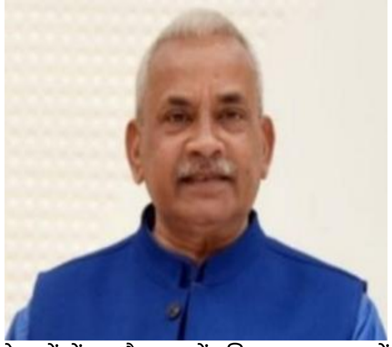

देश में केंद्र और राज्यों की भाजपा सरकारें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूलमंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' को चरितार्थ कर रही हैं। पौराणिक स्थलों के विश्वस्तरीय विकास को देश और सम्बन्धित प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जोड़ा गया है। इसके अभूतपूर्व सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। उज्जैन और काशी में पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। अयोध्या में भी जनवरी से ऐसा माहौल दिखाई देने लगेगा। मथुरा-वृंदावन का भी वैश्विक पर्यटन की दृष्टि से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने मथुरा में ब्रज विकास परिषद का गठन किया है। इसी परिषद के माध्यम से व्यापक कार्य सम्पादित हो रहे हैं। अयोध्या में दीपोत्सव का विश्व रिकार्ड कायम हो चुका है। ब्रज क्षेत्र भी फागुन में रंगोत्सव में सराबोर होने लगा है। मथुरा रंगोत्सव को विश्व में प्रतिष्ठित किया गया है। यहां के कण-कण में बिहारी जी और राधा जी का दर्शन होता है। मथुरा की सात्विकता,वैष्णो भाव और पवित्रता को देखकर दुनिया को भक्ति की शक्ति की अनुभूति होने लगी है। मथुरा, वृन्दावन, बरसाना बलदेव, गोवर्धन और गोकुल को तीर्थ स्थल का दर्जा दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हाल ही में मथुरा पहुंचे। उन्होंने बड़ा संदेश दिया। बोले-जब देश आजाद हुआ तो जो महत्व इस पवित्र तीर्थ को मिलना चाहिए था वो हुआ नहीं। जो लोग भारत को उसके अतीत से काटना चाहते थे, जो लोग भारत की संस्कृति और उसकी आध्यात्मिक पहचान से विरक्त थे, जो आजादी के बाद भी गुलामी की मानसिकता नहीं त्याग पाए। उन्होंने ब्रज भूमि को भी विकास से वंचित रखा। लेकिन अब राम मंदिर की तिथि भी आ गई है। अब वो दिन दूर नहीं जब यहां भगवान कृष्ण के दर्शन और भी दिव्य रुप में होंगे। भारत हमेशा से नारी शक्ति का पूजन करने वाला देश रहा है। कृष्ण के आगे भी राधा ही लगा है। हमारे देश में महिलाओं ने हमेशा जिम्मेदारियां भी उठाईं और समाज को लगातार मार्गदर्शन भी किया है। मीराबाई जी इसका भी एक प्रखर उदाहरण रही हैं। मीराबाई पथ प्रदर्शक रही हैं। भगवान श्रीकृष्ण और मीराबाई का गुजरात का अलग ही रिश्ता है। मथुरा के कान्हा ने यहां से जाकर गुजरात में द्वारिका बसाई और उनकी महान भक्त मीराबाई ने राजस्थान से आकर अंत समय गुजरात में बिताया। चौरासी कोस का ये ब्रज मंडल उत्तर प्रदेश और राजस्थान को जोड़कर बनता है। योगी आदित्यनाथ साढ़े छह वर्षों से मथुरा के विकास के लिए जी-जान से जुटे हैं। पौराणिक आस्था एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए ब्रज क्षेत्र में श्रीकृष्ण की प्रिय प्रजातियों के आठ लाख पौधों का रोपण हो चुका है। मथुरा-वृन्दावन को नगर निगम का दर्जा प्रदान किया गया है। रंगोत्सव कृष्णोत्सव एवं वैष्णव बैठक के आयोजन ने पूरी दुनिया में ब्रज संस्कृति को पुष्पित एवं पल्लवित किया है। स्वतंत्र भारत में ब्रज भूमि के विकास का समय आया है। मथुरा, वृन्दावन, बरसाना, नन्दगांव तथा बलदेव ये सभी तीर्थस्थल बदलते हुए दिखाई दे रहे हैं। ब्रज भूमि के विकास के लिए लगभग तीस हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट विभिन्न चरणों में हैं। अयोध्या की दीपावली और बरसाने व काशी की होली विश्व प्रसिद्ध है। यह सभी स्थल उत्तर प्रदेश में हैं। प्रधानमंत्री मोदी और योगी आदित्यनाथ ने इन अवसरों को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित कराया है। इन धार्मिक आयोजन में सहभागी होने के लिए विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण प्रगति पर है। भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण हो चुका है।

(लेखक एक पत्रकार है)

Today's Opinion

चीन में रहस्यमय बीमारी, नई महामारी की तैयारी!

ऋतुपर्ण दवे

एक बार फिर पूरी दुनिया चीन में बच्चों में फैली रहस्यमय बीमारी को लेकर बेहद खौफजदा है। ढीठ चीन पहले की तरह ऐंठा हुआ है कि किसी नई बीमारी के संकेत वहां नहीं मिले हैं। जो हैं सभी पहले से मालूम बैक्टीरिया-वायरस हैं जो बच्चों में फैल रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बीजिंग से पूछा तो उसने बताया कि कुछ भी असामान्य नहीं है। यह साधारण बीमारी है। लेकिन उसकी चालबाजी यहीं समझ आती है कि जब बीमारी सामान्य है तो फिर क्यों विशेषज्ञ इसकी वजह कोविड पाबंदियों को हटाना, इन्फ्लूएंजा, बच्चों में एक आम जीवाणु संक्रमण यानी माइकोप्लाज्मा निमोनिया और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस यानी आरएसवी को बताते हैं? कहीं चीन बीमारी की सच्चाई जानकर भी दुनिया को दोबारा धोखा देने की फिराक में तो नहीं? क्यों विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लोगों से अपील कर रहा है कि साफ-सफाई का ध्यान रखें और श्वांस संबंधी किसी भी लक्षणों पर तुरंत डॉक्टर से मिलें। पड़ोसी नेपाल ने न केवल अलर्ट जारी किया बल्कि बीमारी की जानकारी न देने पर चीन से नाराजगी भी जताई है। कोविड-19 सरीखे लक्षणों वाली नई बीमारी के चीन में जितने भी टेस्ट हुए हैं उनमें चीन ने कोरोना को खारिज किया है। लेकिन क्यों विशेषज्ञ इतने दिनों के बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं? बीमारी कैसे फैल रही है? इसे लेकर बीजिंग खामोश है। इसी 13 नवंबर को उसके राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया था कि वहां एक नया संक्रमण तेज फैल रहा है। बच्चे ज्यादा चपेट में आ रहे हैं। उत्तरी भागों में पिछले तीन बरसों के मुकाबले इस अक्टूबर मध्य से एकाएक तेजी से इस बीमारी ने पैर पसारा। इन्फ्लूएंजा अमूमन जल्द काबू आता है। जब नहीं आया तब 21 नवंबर को सार्वजनिक रोग निगरानी प्रणाली (प्रोमेड) ने उत्तरी चीन में रहस्यमय न्यूमोनिया जैसी बीमारी सार्वजनिक की। देखते-देखते अस्पताल मरीजों से भरने लगे, जो रुकने का नाम ही ले रहे। यहीं से चिंता और चीन के पुराने झूठ और दोगलेबाजी पर ध्यान गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन को चेताया कि बीमारी के जोखिम को कम करने खातिर टीकाकरण और मरीजों से जरुरी दूरी बनाकर क्वारांटाइन करें और जांच कराएं। मास्क पहनने और नियमित रुप से हाथ धोने जैसी बातों का पालन हो। भारत सतर्क है लेकिन ज्यादा कुछ कहने से गुरेज कर रहा है। यह संक्रमण महामारी बनेगा या नहीं? यह भविष्य के गर्त में है। यह सही है कि पिछले दो-तीन माहों से भारत में बुखार का एक अजीब दौर दिख रहा है, जिसमें मरीज को पूरी तरह से ठीक होने में 10 से 15 दिन लग रहे हैं। ऊपर से पूरा शरीर टूटता है तथा जबरदस्त कमजोरी के साथ खांसी की शिकायत भी रहती है। चीन का रहस्यमय इन्फ्लूएंजा भी भारी पड़ रहा है। चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि ऐसी कोई भी बीमारी या मिलते-जुलते लक्षण दिखें तो तुरंत जांच व परामर्श लिया जाए। प्रायः वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण बुखार पैदा करता है जो ठंड में या दूसरे मौसम में भी संभव है। इसमें नाक बहना, खांसी, सांस की लघुता यानी शॉर्टनैस ऑफ ब्रीद (एसओबी), उल्टी और दस्त भी हो सकता है। सभी मामलों में जरुरी नहीं कि यही लक्षण हों। इसके कई दूसरे कारण भी हो सकते हैं जैसे एडेनो वायरस, इन्फ्लूएंजा वायरस, एंटरोवायरस, राइनोवायरस और कोविड वायरस जैसे तमाम वायरस जिम्मेदार हैं। वहीं कुछ सामान्य से बैक्टीरिया और कुछ असामान्य बैक्टीरिया जैसे स्पाइरोकेट्स जिससे सिफलिस और लाइम रोग तो लेप्टोस्पाइरासे नाक, मुंह, आंखों में जानवरों के मल-मूत्र से दूषित पानी या मिट्टी के चोटिल त्वचा पर लगने से फैल कर जीवन-घातक बीमारियों में बदल जाता है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अजीब चीनी निमोनिया को लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स और ग्लोबल संक्रामक रोग मॉनिटरिंग सर्विस की रिपोर्टों का हवाला दिया है। यह भी कहा है कि सभी सांस के संक्रमण के मामले नहीं हैं जो चिंताजनक है। वैज्ञानिक और रिसर्चर कड़ी निगरानी की बात कहते हैं। बीजिंग से करीब 700 किलोमीटर दूर लिओनिंग में तेजी से फैल रही बीमारी बच्चों को निशाना बना रही है। हालात बेकाबू हैं।

(लेखक एक पत्रकार है)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

कहानी: जिंदगी में खुशी....

वैदेही कोठारी स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखिका

स्कूल में देखो तो दोस्त कहते हैं ये बनना जा तू! यह करले तू..! इसमें तुझे अच्छा पैकेज मिलेगा...!, इसी तरह सभी मिलने वाले रिश्तेदार भी अच्छी नोकरी पैकेज की बात करते हैं...,तुम लोग भी यही सब कहते हो...। आखिर - मैं क्या करना चाहता हूं..,'यह कोई समझने को राजी नहीं, आज जो देखो सिर्फ अच्छे पैकेज या नोकरी ही की क्यों बात करते हैं? सिर्फ पैसा कमाना ही जीवन में सफलता है क्या? खुद की खुशी कुछ मायने नहीं! मुझे पैसे का गुलाम नही बनना! मैं वह काम करूंगा जिससे मुझे जिंदगी भर खुशी मिलें..!

राघव स्कूल से घर आया, बडा उदास था। मां ने पूछा - "क्या हुआ राघव ? आज स्कूल में कुछ हुआ क्या? राघव ने कोई जवाब नही दिया! चुप-चाप अपने कमरे में चला गया । स्कूल यूनिफार्म चेंज की। चेंज करके बैठ मोबाइल चलाने लगा। थोडी देर बाद मां ने आवाज लगाई, "राघव खाना खाने आ जा..। वह खाना खाने डाइंनिंग टेबल के पास पड़ी चेयर पर बैठ गया।

आज वह रोज की तरह बातें नही कर रहा था। मां उसकी ओर देख कर बोली क्या हुआ? आज इतना उदास क्यों हैं? राघव ने अपनी खामोशी तोड़ कर कहा कुछ नही मां ऐसे ही..., बोल कर, खाना खाने लगा । मां ने भी ज्यादा पूछताछ नही की .., वह खाना खा कर टीवी देखने लगा। कुछ देर टीवी देखी फिर पढने बैठ गया..., ।

राघव दिखने मे काफी स्मार्ट था। 5,7 हाइट, रंग गोरा, नाक लम्बी, बालों की स्टाईल भी हिरो जैसी करा रखी थी। साथ ही पढने में भी अव्वल था। राघव पढाई के साथ साथ गेम, डांस में भी किसी से कम नही था।

कक्षा बारहवी में होने से वह पढाई को लेकर ज्यादा गंभीर था। शाम छः बजे राघव जब कोचिंग से घर आया तो मां ने कहा आज घर के सभी सदस्यों को राजेश अंकल के यहां पार्टी में चलना हैं।

प हले तो राघव ने मना किया,नही माँ...! मैं नही जाउंगा! मां ने ज्यादा फोर्स किया तो राघव भी पार्टी में चल दिया। हालांकि राघव का मन नही लग रहा था। वह खाने की थाली लेकर खड़ा हुआ ही था कि उसको तीन चार जान-पहचान वाले लोगों ने घेर लिया। एक अंकल ने कहा और बेटा आजकल तो दिखाई नही देते हो ..,क्या कर रहे हो ?

-जी अंकल बारहवी कक्षा में हूँ।

-अच्छा क्या विषय लिया है,

-जी अंकल बॉयलाजी,

अच्छा है! अंकल जी हंस्ते हुए बोले,डॉक्टर बनना हैं..,

जी नही अंकल अभी कुछ सोचा नही ...!

अंकल की बात खत्म हुई ही थी, कि दूसरे अंकल बोले तो फिर क्या करोगे.. कुछ सोचा तो होगा..!

- जी अंकल अभी सिर्फ पढाई पर ध्यान है! अच्छा..!

तीसरे अंकल बोले अरे बेटा तुम तो "लॉ" कर लो बढिया हैं,

राघव को अंदर ही अंदर बहुत गुस्सा आ रहा था, किंतु फिर भी वह शालीनता के साथ मुस्कुरा कर जवाब दे रहा था। कुछ ही देर में राघव की मां भी राघव के पास आ गई।

कहने लगी -भई क्या चर्चा चल रही है! अरे भाभी जी कुछ नही राघव से बात कर रहे थे कि क्या करने वाला हैं आगे..!, माँ भी मुस्कुराने लगी !.., थोडी देर बाद कुछ और मिलने वाले आए,उन लोगो ने भी राघव से यही सवाल किये। राघव बैचारा क्या करता, सबको मुस्कुराते हुए जवाब देता रहा।

घर आते ही राघव गुस्सा करने लगा।

गुस्से में राघव बोला - मैने मना किया था! मैं नही जाउंगा फिर भी आप ले गए..!

- तो क्या हुआ राघव ..?

- मुझे पसंद नही कि लोग मुझे तरह तरह की सलाह दे!

स्कूल में देखो तो दोस्त कहते हैं ये बनना जा तू..! यह करले तू..,! इसमें तुझे अच्छा पैकेज मिलेगा...!, इसी तरह सभी मिलने वाले रिश्तेदार भी अच्छी नोकरी पैकेज की बात करते हैं...,तुम लोग भी यही सब कहते हो...।

आखिर - मैं क्या करना चाहता हूं..,'यह कोई समझने को राजी नहीं, आज जो देखो सिर्फ अच्छे पैकेज या नोकरी ही की क्यों बात करते हैं? सिर्फ पैसा कमाना ही जीवन में सफलता है क्या? खुद की खुशी कुछ मायने नहीं! मुझे पैसे का गुलाम नही बनना!

मैं वह काम करूंगा जिससे मुझे जिंदगी भर खुशी मिलें..!

48 राजस्व कॉलोनी रतलाम (मध्य प्रदेश)

माँ

भगवती सक्सेना गौड़, बैंगलोर

जोर जोर से कोई दरवाजा खटखटा रहा था, नीता दौड़ कर गयी और खोला, देखा ट्विंकल खड़ी थी। वह बोली, आंटी बिजली नही है इसलिए जोर से धक्का देना पड़ा, सॉरी, कोई बात नही कहकर उसने गले लगा लिया, तुम बहुत प्यारी हो।

ये सुनते ही ट्विंकल की आंखों में आंसू आ गए।

नीता अपने पड़ोस की भाभी रेणुका को बहुत पसंद करती थी, जो कैंसर से कई वर्ष जूझने के बाद पिछले वर्ष, ट्विंकल को छोड़ कर भगवान के पास जा चुकी थी।

आज ट्विंकल जोर जोर से रो रही थी, बहुत पूछने पर बताया, कुछ आंटी और अंकल आये थे, पापा का टीका किया, मिठाई दी और चले गए, घर में सब बहुत खुश हैं।

मैंने पापा से पूछा, आज क्या है? उन्होंने बताया, तुम्हारी दूसरी मम्मी आने वाली है।

आंटी, रोक लीजिये, मुझे दूसरी मम्मी नही चाहिए, उसी को सौतेली माँ कहते हैं ना। मैंने टीवी में फिल्में देखी है, सौतेली माँ अच्छी नही होती, स्कूल में भी कहानियां सुनी है। घर में दादी, चाची सब है, फिर इनकी क्या जरूरत है। मैंने मम्मी की प्यारी यादों के साथ जीना सीख लिया है।

आज ट्विंकल जोर जोर से रो रही थी, बहुत पूछने पर बताया, कुछ आंटी और अंकल आये थे, पापा का टीका किया, मिठाई दी और चले गए, घर में सब बहुत खुश हैं। मैंने पापा से पूछा, आज क्या है? उन्होंने बताया, तुम्हारी दूसरी मम्मी आने वाली है। आंटी, रोक लीजिये, मुझे दूसरी मम्मी नही चाहिए, उसी को सौतेली माँ कहते हैं ना। मैंने टीवी में फिल्में देखी है, सौतेली माँ अच्छी नही होती, स्कूल में भी कहानियां सुनी है। घर में दादी, चाची सब है, फिर इनकी क्या जरूरत है। मैंने मम्मी की प्यारी यादों के साथ जीना सीख लिया है।

नीता समझ नहीं पा रही थी, बच्ची को कैसे समझाए, उसे रेणुका उस घर का सब हाल बताती थी, बीमारी ने तो बाद में खत्म किया, सास और पति के व्यवहार ने पहले ही मार दिया था, इसलिए ट्विंकल के लिए वो बहुत चिंतित रहती थी। अभी साल भी पूरा नहीं हुआ था और लोग शादी करने के चक्कर में थे।

आज उसके दिमाग में अचानक एक विचार आया उसने ट्विंकल से कहा, तुम मुझे कितना प्यार करती हो जवाब मिला ढेर सारा और वो गले लग गयी। अब बच्ची को लेकर वो उसके घर गयी और उसकी दादी से कहा, अगर बुरा न माने तो एक बात आपसे कहना चाहती हूं,

आ प की ट्विंकल इतनी प्यारी है, और आप जानती हैं मेरा अपना कोई नही है, मैके में लोग हैं पर उनके लिए मैं सिर्फ एक मेहमान ही हूँ, इस प्यारी सी बच्ची को मुझे दे दीजिए, मैं ट्रांसफर कराकर कहीं और चली जाऊंगी कानूनी रूप से इसे अपनी बेटी बनाउंगी।

दादी सोच में पड़ गयी फिर घर में मशवरा लेकर बाद में बताते हैं, ये कहा। शाम को ही ट्विंकल खुशी खुशी आयी और बोली आज मैं बहुत खुश हूं,

घर में सबने कहा, कि आपके साथ कहीं घूमने जाना है। आपमे मुझे मेरी अपनी मम्मी का रूप दिखता है, आप बहुत अच्छी हैं।

संगठन से बनता सुदृढ़ परिवार

हिमाद्री वर्मा 'समर्थ'

मकान को घर बनाए वो कहलाता है परिवार
हर हाल में साथ निभाए सच्चा साथी परिवार
हरदिन को त्योहार बनाए वो सम्पन्न परिवार
दुख में जो आस बंधाए वो है खुशहाल परिवार।।

बड़ों को जहां मान मिले वो है आदर्श परिवार
बचपन को खूब प्यार मिले वो प्यारा परिवार
भावनाओं को पनाह दे वो है सहयोगी परिवार
सपनों को उड़ान मिले वो है उत्साहित परिवार।।

देशोन्नति में सहयोग करे वो जागरूक परिवार
विचार परस्पर साझा करे वो है पारदर्शी परिवार
नवाचारों का स्वागत करे वो है विकसित परिवार
जो है उसी में खुशी मनाए वो है संतुष्ट परिवार।।

ज्ञान का अखंड दीप जलाए वो शिक्षित परिवार
अतिथि का सत्कार मनाएं वो शिष्टाचारी परिवार
परहित के जो काज करे वो है परोपकारी परिवार
ईश्वर में जो ध्यान लगाए वो है धार्मिक परिवार।।

नारी का आभार जताए वो है सुसंस्कृत परिवार
हुनर की जहां कद्र हो वो है प्रतिभाशाली परिवार
वैसे तो कहे जाते हैं एकल और संयुक्त परिवार
संगठन का महत्व जो समझे वो सुदृढ़ परिवार।।

जयपुर, राजस्थान

सुनों स्त्री..

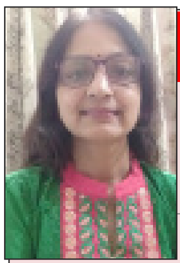

नमिता गुप्ता 'मनसी' मेरठ, उत्तर प्रदेश

सुनों स्त्री..सुनों,
कब खोलोगी तुम
सांकल
अपने भीतर की,
माना..
बहुत सलीके से सजाया तुमने
घर-आंगन,
मुस्कराहटों को जगह दी
सारी उदास आंखों में।।

पर, क्यों भूली रही
अपने ही केशों को सुलझाना ,
क्यों नहीं टांक लिए कुछ सितारे
अपने आंचल में,
क्यों नहीं झांककर देखा चांद
मन की खिड़कियों से,
क्यों नहीं की उससे देर तक
ढेरों लंबी बातें!!

सुनों स्त्री..
तुम जननी हो,

चित्र साभार गूगल

जन्मी हैं तुमने ही संभावनाएं ..
संभाला है तुमने ही धरोहरों को..
तुमने बढ़ने दिया मान्यताओं को
अनवरत ही,
..तो जन्मो न अपनी एक भाषा!

निर्विरोधसंशोधनकरोमान्यताओंमें,
सुनों..
गढ़ों ऐसी लिपि
जो अनुवादित कर सके
तुम्हारे आंसुओं को
सही से!!

धरा

ममता सिंह राठौर
कानपुर

पहचान की बयानी लिख रही हूं
अपने किरदार की
कहानी लिख रही हूं।।

हंसते चमकते निखरते ढलते रंग लिख रही हूं
बरसों बरस की
ऊभन लिख रही हूं।।

सहजता, सरलता, और कुशलता लिख रही हूं
प्रेम, धैर्य और सौंदर्य की
विषमता लिख रही हूं।।

लिखना यही कि स्वयं को लिख रही हूं
वेद से संवेद के अभेद लिख रही हूं।।

कथा व्यथा का परिपेक्ष लिख रही हूं
सच लिखूं तो क्या लिखूं
अनवरत खेद लिखूं ।।

पिता लिखूं तो माँ लिखूं,
पति के संग स्वयं लिखूं
स्वयं को जब धरा लिखूं
तो भाग्य को प्रभा लिखूं।।

माँ!

कृष्णा तिवारी, नोएडा

ख़ामोशी की चादर जैसे
हरदम ओढ़े रहती माँ!!
पिता गए है जब से कुछ
सहमी सहमी रहती माँ!!
दिल में जैसे सागर है,
फिर भी रहती खाली माँ!!
इक झोंके से छलक पड़े
से नीर भरी हो गागर माँ!!
वो तो पूरी रामायण थी
अब क्यूँ छंदो में सिमटी माँ!!
पिता के मंदिर की मूरत
आज विसर्जन होती माँ!!
शूल हृदय में चुभे है लेकिन
किनसे पीर कहेगी माँ।।
सब माली अपनी बगियाँ के
कैसे फूल चुनेंगी माँ!!
पिता गए है जब से जैसे
हो गई कड़वी गोली माँ!!
भरी पूरी इस दुनियाँ में
रह गई बहुत अकेली माँ!!
दिल में जैसे सागर है
फिर भी रहती खाली माँ!!
इक झोंके से छलक पड़े
नीर भरी हो गागर माँ।।

व्यंग्य: वामन का मंतव्य!

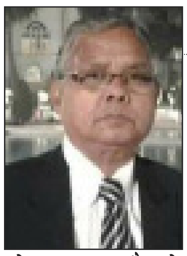

अनूप श्रीवास्तव

भरोसा शब्द भले ही तीन अक्षरों का है लेकिन अवसर आने पर यह पूरे त्रिलोक को नाप सकता है,भले ही आप कहें कि इसके पीछे वामनी राजनीति है। 'वामन' का मन्तव्य कभी त्रिलोकेश्वर से रहा होगा, पर अब मन्तेश्वर के इर्द गिर्द सिमट चुका है।

कहते हैं त्रिलोकी नाथ ने जब समुद्र मंथन किया था, रत्न निकलने तक सभी को उनपर भरोसा था लेकिन त्रिलोक सुंदरी और अमृत घट यानी सत्ता सुंदरी और नौकरशाही को हथियाने की नौबत आते ही देव दानवों का भरोसा दो फाड़ हो गया जिसके चलते विष्णु भगवान को भी तमाम पापड़ बेलने पड़े। उन्हें स्वयम सत्ता सुंदरी का मुखौटा लगाना पड़ा। नतीजा यह हुआ कि सत्ता पाने के लिए दोनों पक्ष प्रतिबद्ध हुए। राहु और केतु समझदार निकले उनकी भूमिका आज भी यथावत है। भरोसा उनके बीच कन्दुक की तरह इधर उधर भागता दिखाई दे रहा है।

दरअसल राहु और केतु ही आज की नौकरशाही है जो देव और दानवों को प्रोटोकाल का मुखौटा दिखाकर भरोसेमंद बनी हुई है लेकिन इसी बीच सोशल मीडिया तो प्रोटोकाल का भी बाप निकला और देखते ही देखते खुद को 'किंगमेकर'साबित करने पर तुल गया और इसे साबित करते हुए उसने एक आम आदमी को सड़क से उठाकर राजसिंहासन पर बिठा दिया, यही नहीं एक अच्छे खासे नेता को चाय वाले का चोला पहना कर सत्ता के शिखर पर पहुंचा दिया। वैसे सोशल मीडिया कोई नई ईजाद नहीं है। इसे केवल पत्रकारिता और नौकरशाही का गठजोड़, ऐसी पत्रकारिता जो हवा में गांठ लगाने में माहिर हो।

खबरों के मन माफिक कसीदे काढ़ने में सक्षम हो साथ ही सत्ता में सेंध लगाने में भी माहिर हो। पत्रकारिता का ऐसा अद्भुत मुखौटा देखकर नौकरशाही के भी कसबल ढीले हो गए। नौकरशाही को लगा अगर उसने इस मुखौटे को वाकओवर न दिया तो उनका अपना मुखौटा भी उतर जाएगा। पत्रकारिता पहले भी ऐयारी थी और आज भी है। सोशल मीडिया का मन्तव्य भी एक तरह से ऐयारी ही है।

इसे इस तरह से समझें-जब राजा भोज की दुनिया भर में तूती बोल रही थी अचानक न जाने किस दुरभि सन्धि से एक किस्सा गो ऐयार दूरदराज से प्रकट हुआ और उसने सिंहासन बत्तीसी की बत्तीस कहानियां सुनाकर राजा भोज के आस्तित्व को दीन दुनिया से बाहर कर दिया और किस्सा कहानी के अमूर्त नायक को चक्रवर्ती सम्राट के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया। राजा भोज का बजूद भी नहीं बचा। इतिहास गया तेल लाने। सोशल मीडिया ने यह साबित कर दिया कि उसकी तथाकथित ऐयारी बड़े बड़ों को पानी पिला सकती है। नौकरशाही को भी धूल चटा सकती है। तभी से नौकर शाही के साथ नेताशाही भी नतमस्तक है।

बस एक दूसरे का मुखौटा बचा रहे। भरोसा का भूत सिर पर चढ़ कर बोलता है, न देखता है, न सुनता है, न समझता है,बस हवा में ही गांठे लगाता रहता है। राजनीति कूटनीति के भरोसे चलती है। पहले भी कूटनीति सेठाश्रयी होती थी और ब्याजनीति के भरोसे चलती थी अब बदलते समय मे भरोसा गड्ड मड्ड हो रहा है। सरकारों के भरोसे का भी यही हाल है। एक सरकार पांच साल के भरोसे पर आती है। भरोसा टूटते ही सत्ता के खेल से बाहर होते देर नहीं लगती।

कभी सरकार गरीबों के भरोसे थी सरकार बदली तो राम भरोसे हो गयी। अब हाल यह है कि राम मंदिर बने न बने सरकार उनके नाम पर बनती बिगड़ती रहती है। खैर भरोसा मंदिर पर हो न हो,कभी वह सीबी आई के भरोसे था। अब अदालत के भरोसे पर टिक गया है जो फंस गए वे न्याय की देवी को अंधा बता रहे हैं और जो बच गए वे स्वयम को अदालत की दूरदृष्टि के कायल जता रहे हैं। अब चाहे सूखे का मुद्दा हो या डांस बार अथवा बैंकों के घोटाले का भरोसा दरकता रहता है। जनता का भरोसा कब तक किस पर टिका रहता है यह समय ही बताएगा।

धर्म तक से लोगों के भरोसे पर ग्रहण लगने की स्थिति आ गयी है। विधायिका और न्याय पालिका पर लगते ग्रहण को देखते हुए न्याय पालिका पर ही भरोसा बचा है। दूसरा और विकल्प भी क्या है। भरोसे के खम्बे में चाहे कितनी ही दरारें हों कहलाता भरोसे का खम्भा ही है। भरोसे का कन्धा न हो तो भरोसे के धंधे का क्या होगा। धंधे का खेल खेलने वालों को भरोसा बनाये रखने की जिम्मेदारी होती है। देश सेवा जब धंधे में बदल गया हो तो अंधे को भी मालुम है कि बिना मेवे के देश सेवा करने का जमाना लद गया। अगर मेवा भी सड़ा निकल गया तो भरोसे को कन्धा बदलते देर नहीं लगेगी। यह दौर ही दूसरा है। अब राजनीति भी कंधे पर बंदूक लेकर चलती है। वे दिन लद गए जब टोपी को लाठी बनाकर कोई नेता निकलता था तो बड़ी से बड़ी ताकतें उसका लोहा मानती थी। उसकी टोपी लाठी को भी मात करती थी।

अब राजनीति भले ही कितनी ही मजबूत हथियारों से समृद्ध हो गई हो पर वह भरोसे की लाठी कहीं भी नज़र नहीं आ रही है। उल्टे भरोसे पर गाँठ पर गांठ लगती जा रही है। भरोसा किस घाट जाकर लगेगा? खुदा ख़ैर करे!

सी पी 5,सेक्टर सी अलीगंज पत्रकार कालोनी लखनऊ।
मो. 9335276946

विधवा जीवन क्यूँ त्रासदीपूर्ण?

शाहाना परवीन शान

...बेवा, राँड, मृतभर्तृका व विधवा आदि नामों से जाना जाने वाला यह शब्द अपने गंभीर व सोचनीय प्रश्न लिए सदियों से समाज में कंलक के साथ जी रहा है। विधवा से तात्पर्य उस स्त्री से है जिसका पति मर चुका हो। एक महिला जिसके पति की मृत्यु चाहे कभी भी हुई हो पर उस स्त्री के माथे पर एक कलंक लग जाता है कि इसका पति मर चुका है और वह बिना पति की है। अब यह स्त्री पूर्ण रुप से बेकार है या यह भी कहा जा सकता है कि बिना पति स्त्री रद्दी है।

जिस प्रकार एक पुरुष का अपना अस्तित्व होता है उसी प्रकार एक पत्नी का भी अपना स्वयं का अस्तित्व है, फिर उसे पति के जीवन के साथ क्यों जोड़ा जाता है? क्यों बार बार उसे यह अहसास करवाया जाता है कि जब तक पति जीवित था तब तक उसकी पहचान थी, पति के मरते ही सब कुछ खत्म? विधवा शब्द कहकर सम्बोधित क्यूँ करें? यदि एक स्त्री का पति मर जाता है तो उसे लोगों द्वारा विधवा कहकर क्यों सम्बोधित किया जाता है? अरे भाई! जब पति की अपनी पत्नी मर जाती है और वह विधुर हो जाता है तब उसे तो कोई विधुर नहीं कहता फिर एक स्त्री को क्यों बार बार विधवा कहकर कमज़ोर बना दिया जाता है? या यह अहसास कराया जाता है कि वह अब बहुत क्षीण हो चुकी है।

यदि इसका भावनात्मक रुप देखा जाए तो विधवा शब्द एक पत्नी को पति को खो देने के बाद उसके जीवन के सबसे भारी नुकसान की ओर इशारा करता है। देश के कुछ हिस्सों में बल्कि कहना चाहिए कि शायद दुनिया भर में विधवाओं के साथ बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया जाता है। विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं: विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं कि उन्हें क्या पहनना है और क्या नहीं जबकि एक विधुर पति के लिए इस प्रकार की कोई रोक -टोक देखने को नहीं मिलती कि उसे क्या पहनना है और क्या नहीं पहनना?

विधवा घर के बाहर कदम रखती है तो लोगों के द्वारा अपने घरों व खिड़कियों से झांक कर देखा जाता है जबकि विधुर पर कोई ध्यान नहीं देता। सफेद कपड़े पहने और मायूसी में लिपटी महिलाओं के चेहरे की उदासी किसी को दिखाई नहीं देती। हाँ, दिखाई देता है तो विधवा होकर किसी गैर पुरुष से उसका बात कर लेना, विधवा होकर किसी के साथ हंस- बोल देना, विधवा होकर स्वतंत्रता के साथ जी लेना। क्यूँ ऐसा है कि विधवाओं को कोई कुछ नहीं समझता?

अरे! वे पहले एक इंसान हैं बाद में विधवा है। विधवा होना कोई पाप तो है नहीं फिर घृणा कैसी? इतना भेदभाव क्यूँ? एक किस्सा याद आ रहा है सुनंदा का विवाह पांच साल पहले दीपक के साथ हुआ था। दोनो एक बस दुर्घटना में घायल हो गये थे पत्नी बच गई और पति की कुछ दिनों के बाद मौत हो गई। सुनंदा को अभागन का नाम देकर घर से बाहर विधवा आश्रम में भेज दिया गया। कोई पूछे कि सुनंदा की ग़लती बताओ, अपराध बताओ, क्या किसी के पास इस बात का कोई उत्तर है? अगर हो जाता विपरीत तो क्या विधुर पति को भी घर से बाहर भेज दिया जाता? उसे भी विधुर आश्रम में रखा जाता? पर एक क्षण के लिए यदि हम सोचें तो विधुर आश्रम तो कहीं है ही नहीं? विधवा स्त्री की छवि शुरू ही से ऐसी बना दी जाती है कि वह दूर खड़ी सबसे अलग दिखाई पड़ती है। कोई उससे ढंग से बात नहीं करना चाहता, गले लगाना या गले मिलना तो दूर कहीं कहीं पर तो उसे घर में आने की इज़ाजत नहीं होती बल्कि उसे वैवाहित स्त्रियों से अलग रखा जाता है। उसको मांगलिक कार्यों में शामिल नहीं होने दिया जाता। यहाँ तक की अपनी बेटी के विवाह तक में विधवा मां शामिल नहीं हो सकती। किसने बनाए ये नियम? कौन है इसका कर्ता धर्ता? कोई पुरुष है या कोई स्त्री? अगर कोई है तो इतना बताए कि ये नियम क्यों व कब बनाए गए? इसमें भेदभाव क्यों किया गया? जब एक स्त्री को त्रासदीपूर्ण जीवन जीने को बाध्य किया जाता है तो पुरुष को क्यों नहीं? विधवा स्त्री अपने पहनावे से भीड़ में अलग दिखाई पड़ जायेगी पर विधुर पुरुष की क्या पहचान है? विधुर को कोई कैसे पहचानेगा?

उसे न तो इस तरह संबोधित किया जाता है और न ही वह अपनी पत्नी को खोने के बाद अपने पहनावे को बदलता है। हमारा प्रश्न आप सबसे यही है कि क्या यह आवश्यक है कि 'पत्नी' को 'विधवा' कह कर सम्बोधित किया जाए? जबकि अपने पति को खो देने के बाद भी वह एक पत्नी बनी हुई है। सभी रूपों और औपचारिकताओं में अपने पति के नाम को अपने से चिपकाए हुए हैं। किसी भी स्त्री के घर के पते या बैंक की किताब या स्कूल आदि पर जीवित पति का तो नाम लिखा ही होता है पति के मरने के बाद भी वह नाम स्त्री से जुड़ा रहता है। जिस महिला का पति मर चुका हो उसको पति के नाम के साथ ही सम्बोधित किया जाता है उदाहरण,, पत्नी स्वर्गीय श्री....की।

यहाँ हमारे कहने का तात्पर्य केवल इतना है कि जब मरने के बाद पति पत्नी से प्रत्येक क्षेत्र में जुड़ा है तो यह विधवा शब्द का सम्बोधन क्यों? सफेद वस्त्र क्यों? आप सब लोग जो इस लेख को पढ़ रहे हैं ज़रा एक क्षण के लिए सोचिए और विचार कीजिए कि ऐसे में एक विधवा स्त्री को समर्थन की आवश्यकता है, सहानुभूति की नहीं। स्वतंत्र हर इंसान हैं फिर विधवा क्यों नहीं? आजादी के साथ जीने का अधिकार सबके पास है। नारी जब स्वतंत्र होगी तभी इस समाज व संसार का मुकाबला कर पायेगी। अब उन विधवा महिलाओं के सामने दो तरह की जिम्मेदारी आ चुकी हैं पति की भी और अपनी तो हैं ही उसके पास।

विधवा नारी नहीं कमजोर,
उसको शक्तिशाली बनाना होगा।
समर्थन देंगे जब सब मिलकर
बेकार नियमों को हटाना होगा।
शक्ति का रुप समझी जाती नारी
फिर चाहे हो जैसी भी,विधवा हो या हो सधवा,
हर परिस्थिति में उसका साथ निभाना होगा।
गहरा प्रश्न आप सबसे मेरा....

अनकही कहानी – एक भूरी नारी

जान्भी चौधुरी ओड़िशा।

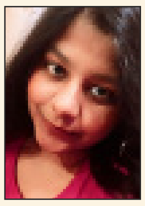

बचपन हमने देखा बड़ी मुश्किल से है,
कोई लड़की हुई है सुनके दफना देता है,
कोई लड़की हुई है सुनके जीते जी मार देता है।

बचपन से जब बाल्यावस्था आए,
कोई लड़की बाल मज़दूर का काम कर रही है,
तो कोई सडक पर झोली फैलाये एक पैसे के लिए तरस रही है।

बाल्यावस्था से यौवनावस्था जब आए,
तो देखा पढ़ने के ज़माने में छोटी बच्ची किसी का घर संभाल रही है,
कहीं वर्तन धो रही है तो कहीं कोई रास्ते पर धक्कें खा रहीं है।

यौवनावस्था से प्रजनन आयु जब आए,
जब मासिक धर्म शुरू होता है उसका दर्द जैसे प्रेग्नेंट के दर्द सा होता है,
कोई रंग रूप को देखते हैं तो कोई आपके जीवन में अपनी नाक घुसाते हैं।
समाज ताना कस्ते हैं और आजकल कहीं बाहर जाने का डर रहता है,
कहीं ससुराल मारते हैं तो कहीं कोई समझता नहीं है।

प्रजनन आयु के बाद जब प्रसव अवस्था में आए,
प्रेग्नेंट अवस्था में एक इंसान के अंदर एक नन्ही सी जान बस्ती है,
उस बीच का दर्द जो है 9 महीने का और उसके बाद प्रेगनेंसी के वक़्त
जो दर्द मानो की 206 हड्डियां टूट रही हो, जैसे लगता है।

प्रेगनेंसी के बाद जब माँ बन जाते है,तब अपने लिए कुछ नहीं
मगर सब परिवार और बच्चों के लिए केवल करती है।
इसलिए माँ के शब्द में संसार बस्ता है।

जब वही माँ बूढी हो जाती है,
तो बच्चे धक्के खाने के लिए कहीं सडक पर छोड़ देते हैं,
या तो वृद्धाश्रम में छोड़ जाते है,
कोई अनादर करता है कोई जुर्म करता है।

मरने के अवस्था में आयु जब आए,
तब न पूछने वाले भी दिखावा कर जाते हैं,
मरने के बाद जो बेटे पूछते नहीं वही सिर्फ़ 4 कंधा देने आ जाते हैं।

जीवन एक स्त्री की न कभी सरल थी न कभी है,
ज़माना है बुराइयों और अत्याचारों का?
यहाँ एक बेटी को अच्छे से बड़ा करना भी बहुत कठिन है।

रीमा पांडेय कोलकाता

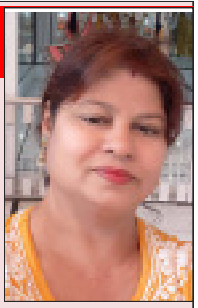

ग़ज़ल

यहाँ मुश्किल भरी राहों को अब आसान क्या करते,
पडे थे पाँव में छाले रहें अंजान क्या करते।
अकेले ही बचा लाई मैं कश्ती के मुसाफ़िर को
मिरी हिम्मत के आगे दोस्तो तूफान क्या करते।
नहीं आसां है पढ़ लेना हरिक कागज़ के टुकड़े को
भला तस्वीर में इंसान की पहचान क्या करते
बचाया है इसे ग़म से सहारा भी न तेरा है,
भला फिर अपना दिल तेरे पे हम कुर्बान क्या करते।
कभी मांगा नहीं कुछ भी वो ऐसा ही अनोखा था,
वो था खुद्दार तो उसपे कहो अहसान क्या करते।
कभी पूरे नहीं होते मचलते ही ये रहते हैं तो
रख कर अपने दिल में हम हसीं अरमान क्या करते।
चले जाना है रीमा एक दिन सब छोड़कर सबको
सजा कर क़ीमती घर में भला सामान क्या करतें।

BNM Fantasy

प्रियंका ने मुंबई की दो प्रॉपर्टी बेचीं

बॉलीवुड से इंटरनेशनल स्टार बनी प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई में अपने दो पेंटहाउस बेच दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक़, उन्होंने ये पेंटहाउस फिल्म डायरेक्टर, स्क्रिप्ट राइटर और प्रोड्यूसर अभिषेक चौबे को बेचे हैं। बताया जा रहा है कि ये दोनों पेंटहाउस अंधेरी मुंबई के ओशिवारा इलाके के लोखंडवाला कॉम्पलेक्स में मौजूद हैं और इनका सौदा प्रियंका चोपड़ा ने 6 करोड़ रुपए में किया किया है। इन दोनों ही प्रॉपर्टीज का साझा रूप से एरिया 2,292 वर्गफीट बताया जा रहा है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक़, प्रियंका चोपड़ा का पहला पेंटहाउस लगभग 860 वर्गफीट में फैला हुआ है और सबसे ऊपरी माले पर है।

ऊ

ऊप्स मोमेंट का शिकार हुईं जिया शंकर

जानी-मानी टेलीविजन स्टार जिया शंकर ने रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 2' से खूब सुर्खियां बटोरीं। आए दिन अभिनेत्री रैम्प वॉक पर अपनी अदायगी का जलवा बिखेरती नजर आती हैं। हालांकि, एक फिल्म फेस्टिवल इवेंट में शामिल होने के दौरान जिया ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हाल ही में, जिया शंकर जियो मामी फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं। अभिनेत्री जब पैपराजी को पोज देते हुए फोटो खिंचवा रही थीं, तभी उनके साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसकी वजह से पैपराजी के मुंह से 'बाप रे' निकल गया। दरअसल, हुआ यूं कि जिया शंकर जब पैपराजी को पोज दे रही थीं, तभी उनकी स्ट्रैप कंधे से फिसल गई और पैपराजी ने रिएक्ट किया, "अरे बाप रे।" वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार होने पर अच्छे-अच्छों की हवाइयां उड़ जाती हैं, लेकिन जिया ने इसे बहुत ग्रेसफुली संभाला। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "ऐसा कुछ नहीं हुआ है।" जिया शंकर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और अभिनेत्री का कॉन्फिडेंस फैंस को भा गया है। एक यूजर ने कहा, 'उन्होंने बहुत अच्छी तरह से संभाला।' एक यूजर ने लिखा, 'उन्होंने बहुत अच्छे से हैंडल किया।' एक ने अभिनेत्री की तारीफ में कहा, 'वह बहुत गॉर्जियस लग रही हैं।' एक और ने कमेंट किया, 'आप बहुत हंबल हैं जिया मैम।' इसी तरह लोगों को जिया का जेस्चर पसंद आ रहा है।

मशहूर अभिनेता अली मर्चेंट ने की तीसरी शादी

'दुल्हन' संग निकाह की तस्वीरें कीं शेयर

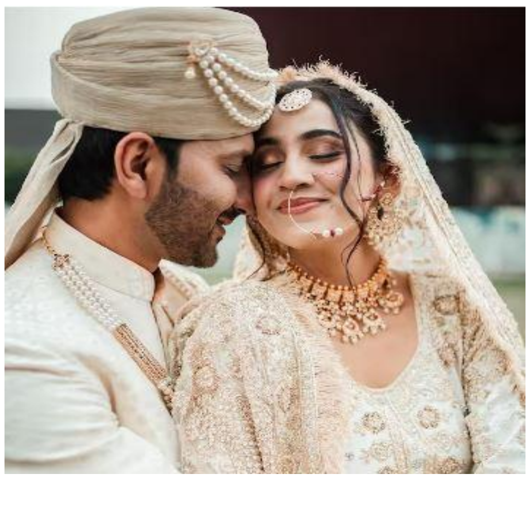

'सात फेरे- सलोनी का सफर' और 'घर एक सपना' जैसे टीवी शोज से मशहूर हुए अभिनेता अली मर्चेंट ने तीसरी बार गुपचुप निकाह कर लिया है। जी हां, अभिनेता ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर अपने निकाह की अनाउंसमेंट की है। अली मर्चेंट लंबे समय से मॉडल अंदलीब जैदी को डेट कर रहे थे। पिछले महीने ही कपल ने दुबई में सगाई की थी। अभिनेता ने अपनी गर्लफ्रेंड अंदलीब को प्रपोज करते हुए बुर्ज खलीफा के सामने डायमंड रिंग पहनाई थी। अब अभिनेता की शादी की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। 'बंदिनी' एक्टर अली मर्चेंट ने 3 नवंबर 2023 को ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर गर्लफ्रेंड अंदलीब जैदी के साथ निकाह की तस्वीरें शेयर की हैं। खूबसूरत फोटोज शेयर कर अली ने कैप्शन में लिखा, "और अब हम हमेशा के लिए एक साथ घूम सकते हैं, हैप्पी एवर आफ्टर अब शुरू होता है।"अली मर्चेंट ने अपनी लेडी लव के लिए प्यार का इजहार भी किया है। अली ने अंदलीब के लिए लिखा, "मैं हमें वादों के रूप में नहीं बल्कि विशेषाधिकार के रूप में देखता हूं। मुझे आपके साथ हंसने, आपके साथ रोने, आपकी परवाह करने और आपके साथ सब कुछ शेयर करने का मौका मिलता है।"अली ने आगे कहा, "मुझे आपके साथ दौड़ना है, आपके साथ चलना है, आपके साथ विकसित होता और आपके साथ रहना है। मुझे लगता है कि आप वह व्यक्ति हैं, जिसके साथ मैं अपनी बची हुई बिताना है। मैं हमेशा आपके लिए मौजूद रहूंगा और सपोर्ट करूंगा। मैं आपसे प्यार करता हूं।"वेडिंग फोटोज में अली और अंदलीब एक-दूसरे की आंखों में खोए हुए दिखाई दे रहे हैं। निकाह में न्यूली मैरिड कपल ने एक-दूसरे को ट्विन किया। दुल्हन अंदलीब ने ऑफ व्हाइट कलर का शरारा सेट पहना था, जिसे उन्होंने ब्राइडल ज्वेलरी से पूरा किया और न्यूड मेकअप में उनके चेहरे का ग्लो उन्हें और खूबसूरत बना रहा था। अली मैचिंग कलर की शेरवानी में जच रहे थे। बता दें कि अंदलीब संग शादी से पहले अली मर्चेंट का दो तलाक हो चुका है। उनकी पहली शादी अभिनेत्री सारा खान से हुई थी, जिनसे साल भर के अंदर ही वह अलग हो गए थे।